M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION – 2015

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | |

Total No. of Questions : 14
कुल प्रश्नों की संख्या : 14

No. of Printed Pages : 5
मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

CRIMINAL LAW & PROCEDURE
अपराध विधि एवं प्रक्रिया

Second Question Paper
द्वितीय प्रश्न–पत्र

समय – 3:00 घण्टे
Time Allowed – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100

निर्देश :–
Instructions :-

1. All questions are compulsory. Answers to all the Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of the question, the English version shall prevail.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any mark of identification in any form or any Number or Name or Mark, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/ identified from others, in any place of the Answer Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.
   उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

3. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be done.
   सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता/मूल्यांकनकर्त्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.No./प्र.क्र. **Marks/अंक**

INDIAN PENAL CODE, 1860
भारतीय दण्ड संहिता, 1860

1. What are the stages of committing a crime ? Preparation of what offences is punishable under the IPC ?

   अपराध कारित करने के क्या प्रक्रम हैं ? किन अपराधों की तैयारी भा.द.सं. के अन्तर्गत दण्डनीय है ? **7**

2. What is culpable homicide ? What should be proved by the accused to claim benefit of the "Exception 4" to Section 300 IPC to make a case of culpable homicide not amounting to murder.

   सदोष मानव वध क्या है ? अभियुक्त को धारा 300 भा.द.वि. के "अपवाद 4" के अन्तर्गत लाभ लेने हेतु हत्या की श्रेणी में न आनेवाले सदोष मानव वध प्रकरण हेतु क्या प्रमाणित किया जाना चाहिये ? **7**

3. Elucidate Criminal liability of corporations.

   निगमों के आपराधिक दायित्व की व्याख्या कीजिए । **7**

CRIMINAL PROCEDURE CODE, 1973
दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973

4. What are the requirements for arrest of a person who is accused of offence punishable with imprisonment for a term which may be less than seven years or which may extend to seven years with or without fine ?

   एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए क्या अपेक्षाएँ होंगी, जो अर्थदण्ड सहित या रहित सात वर्ष की अवधि से कम या सात वर्ष तक के कारावास से दण्डनीय अपराध का अभियुक्त है ? **7**

5. What is the object and purpose of recording statement of an accused under Section 313 (1) (b) of the Cr.P.C. When objection as to omission to put the question under Section 313 Cr.P.C. is raised by the accused in the appellate court, what are the courses available to the appellate court ?

धारा 313 (1)(b) दं.प्र.सं. के अन्तर्गत अभियुक्त का कथन लिपिबद्ध किये जाने का क्या उद्देश्य और प्रयोजन है ? जब धारा 313 दं.प्र.सं. के अन्तर्गत प्रश्न पूछने से लोप होने के संबंध में अभियुक्त द्वारा अपीलीय न्यायालय में आपत्ति उठाई गई है, तो अपीलीय न्यायालय को क्या रास्ता उपलब्ध है ? 7

6. What are the duties of the Public Prosecutor and the Court for exercise of power under S. 321 of the Cr.P.C. ?

धारा 321 दं.प्र.सं. के अन्तर्गत अधिकार के उपयोग हेतु लोक अभियोजक एवं न्यायालय के क्या कर्तव्य हैं ? 7

INDIAN EVIDENCE ACT, 1872
भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872

7. What is "Plea of alibi" ? Describe nature and extension of its burden of proving. Explain effect of its failure on the case of prosecution.

''अन्यत्र होने का अभिवाक'' क्या है ? इसके प्रमाण भार की प्रकृति व विस्तार का वर्णन कीजिए। इसकी असफलता का अभियोजन के प्रकरण पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख कीजिए । 7

8. What do you understand by "Hostile witness" ? What is the value of the evidence given by a hostile witness ?

''पक्षविरोधी साक्षी'' से आप क्या समझते हैं ? पक्षविरोधी साक्षी द्वारा दिये गये साक्ष्य का क्या मूल्य है ? 7

NEGOTIABLE INSTRUMENTS ACT, 1881
परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881

9. Whether dishonour of a post-dated cheque issued by a drawer as advance payment in respect of purchase order amounts to an offence under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881 ?

क्या पश्चात्वर्ती दिनांकित चैक जो लेखीवाल द्वारा क्रय आदेश के अग्रिम भुगतान के संबंध में जारी किया गया है, के अनादरित होने पर धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अन्तर्गत अपराध है ? 7

N.D.P.S. ACT, 1985
स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985

10. Whether a confessional statement of an accused recorded by an officer of the Department of Revenue Intelligence, who has been vested with powers of an Officer-in-Charge of a police station under Section 53 of the NDPS Act, is admissible in evidence against the accused ?

क्या राजस्व गुप्तचर विभाग के अधिकारी, जो धारा 53 स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत पुलिस थाना प्रभारी के अधिकारों से वेष्ठित हैं, द्वारा अभियुक्त का लेखबद्ध संस्वीकृत कथन अभियुक्त के विरूद्ध साक्ष्य में ग्राह्य है ? 7

PREVENTION OF CORRUPTION ACT, 1988
भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988

11. Can a private person who is involved in an offence under the PC Act, be tried by a Special Judge without joining of a public servant ?

क्या एक प्राइवेट व्यक्ति जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत अपराध में अंतर्वलित हो, का बिना लोक सेवक के जुड़े हुये विशेष न्यायाधीश द्वारा विचारण किया जा सकता है ? 7

SC & ST (PREVENTION OF ATROCITIES) ACT, 1989
अनु0 जाति और अनु0 जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989

12. The Prosecutrix has lodged a F.I.R having the ingredients of an offence under section 354 of I.P.C. and Section 3(1)(xi) of the SC/ST(P.A.) Act, whether the accused can be enlarged on bail under section 438 of Cr.P.C. ? Discuss.

अभियोक्त्री ने भा.दं.सं. की धारा 354 एवं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(i)(xi) के अपराध के तत्वों युक्त एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। क्या आरोपी दं.प्र.सं. की धारा 438 के अंतर्गत जमानत पर मुक्त किया जा सकता है ? चर्चा करें। 7

THE ELECTRICITY ACT, 2003
विद्युत अधिनियम, 2003

13. What do you understand by "Civil Liability" under this Act ? Whether even after acquittal from the charge of theft of energy under the Act, can civil liability be determined or imposed ?

इस अधिनियम के अंतर्गत "सिविल दायित्व" से आप क्या समझते हैं ? क्या अधिनियम के अंतर्गत विद्युत की चोरी के आरोप से दोषमुक्ति के बाद भी सिविल दायित्व का निर्धारण व अधिरोपण हो सकता है ? **7**

MIXED
मिश्रित

14. **Write Short-Notes on : -** 3 X 3 = **9**

(a) Common Intention

(b) Dying Declaration

(c) Witnesses Protection

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :–

(अ) सामान्य आशय

(ब) मृत्युकालीन कथन

(स) साक्षियों को संरक्षण

****